एंथोनी की कहानी

टोमी डी पाओला

एंथोनी की कहानी
टोमी डी पाओला
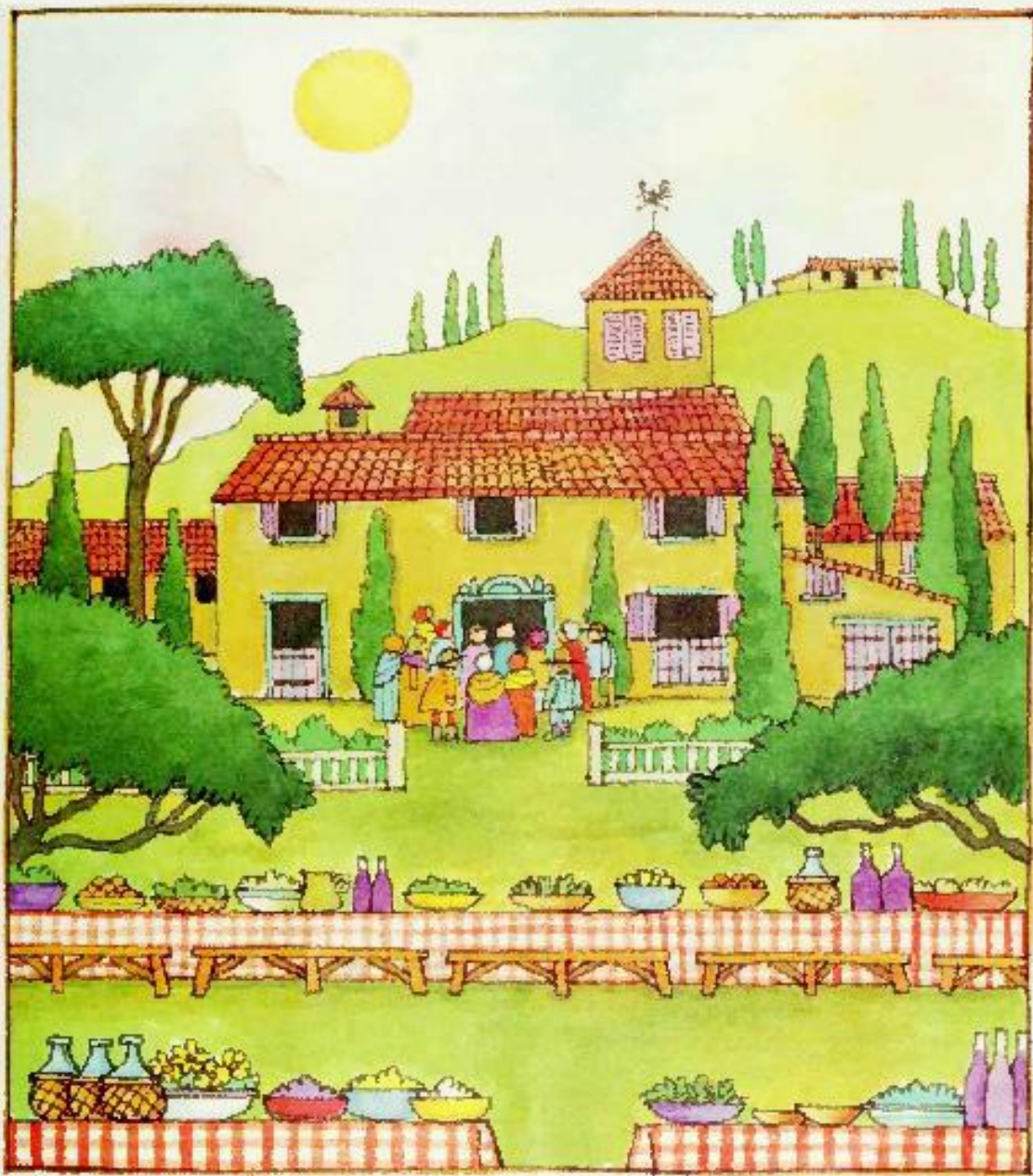
जिस देश को हम इटली के नाम से जानते हैं, उस देश की उत्तरी पहाड़ियों के एक फार्म पर एक खूबसूरत धूप का दिन था. वहां पर एक बड़ी दावत की तैयारी हो रही थी.

फार्महाउस के दरवाजे पर पूरा परिवार जमा था.

"देखो नया बच्चा आ रहा है," चाची जिया रोसेटा ने कहा. बच्चे के गॉडफादर एक नन्हें बच्चे को लेकर, बाहर आए. उनके पीछे मुस्कुराते हुए बच्चे के माता-पिता थे.

"चर्च की ओर चलो," गॉडफादर ने घोषणा की. "यह सबसे खुशी का दिन है. वो पहला बच्चा है, और वो बड़े होकर बड़े-बड़े काम करेगा."

"आपकी बात सच है," दादाजी नोना एमिलियो ने कहा, "आखिर, बच्चे ही तो हमारा भविष्य हैं."

चर्च में नामकरण के लिए एक बड़ी भीड़ उमड़ी थी. सभी के इकट्ठा होने के बाद गॉडफादर ने बच्चे को उठाया. बच्चा गहरी नींद में सोया था. माँ ने धीरे से फुसफुसाया, "जागो, मेरे बेटे, और पुजारी मार्सेलो की बात सुनो."

पुजारी ने पवित्र जल छिड़का और उन्होंने घोषणा की, "अब से तुम एंथनी के नाम से जाने जाओगे."

तभी बेबी एंथोनी, जो अभी भी सो रहा था, ने अपना हाथ ऊपर उठाया और पवित्र जल को अपने ऊपर और बाकी सभी लोगों पर गिरा दिया.

"देखो, बेबी एंथनी न तो रोया और पूरी तरह से भीगने पर भी वो नहीं जागा," ज़िया रोसेटा ने अपनी दादी नोना ग्राज़िला के कान में फुसफुसाया, "वो कितना अच्छा बच्चा है!"

"हूं," नोना ग्राज़ीला ने सभी लोगों को खुद को सुखाते हुए देखा. "मुझे ठीक पता नहीं."

छोटे एंथनी के पहले जन्मदिन पर सभी मेहमानों को एक आलीशान दावत दी गई. जैतून के पेड़ों की छाँव में, परिवार और उनके दोस्त भोजन से सजी मेज़ों पर बैठे थे. एक अलग टेबल पर जन्मदिन का केक रखा गया था. पापा जन्मदिन की बधाई देने के लिए खड़े हुए.

"शांत रहो मेरे बेटे, और अपने पापा की बात सुनो," माँ ने छोटे एंथनी से फुसफुसाया. पापा ने भाषण देना शुरू किया. वो एक लंबा भाषण था.

"और अब," पापा ने कहा, "मेरे छोटे बेटे को उसका जन्मदिन मुबारक हो." लेकिन नन्हा उन्हें एंथोनी कहीं भी नजर नहीं आया.
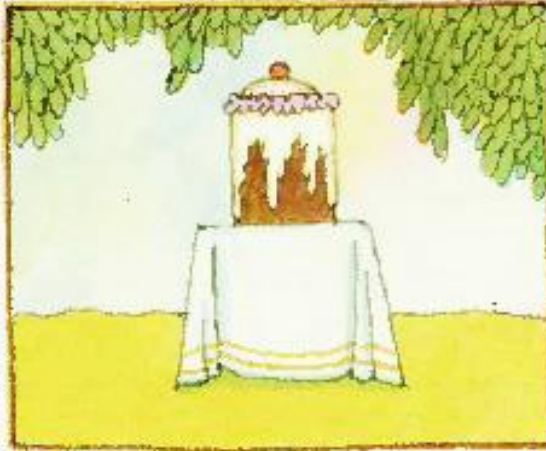
अचानक जोरदार धमाका हुआ. सभी ने चारों ओर देखा, और पाया कि छोटा एंथोनी केक से ढका हुआ था.

"हम्म," नॉन ग्राज़ीला ने कहा. "लगता है छोटा एंथोनी बड़े होकर लोगों को काफी परेशान करेगा."

धीरे-धीरे छोटा एंथोनी बड़ा होने लगा.

"वो एक बड़ा लड़का बनेगा," नोना एमिलियो ने कहा. "वो मेरे परिवार वालों के ऊपर गया है."

जल्द ही नन्हें एंथोनी का कप से पीना सीखने का समय आया. नोना ग्राज़ीला उसे सिखाने जा रही थी.

"कप को दोनों हाथों में पकड़ो." एंथनी ने वैसा ही किया.

"अब कप को ऊपर उठाओ." और एंथनी ने वैसा ही किया.

"अब पियो." तभी एक चिड़िया ने गाना गाया.

"वो किसी बात पर ध्यान नहीं देता है," नोना ग्राज़ीला ने कहा. "यही परेशानी है." नोना ग्राज़ीला ने बिल्कुल सही कहा.
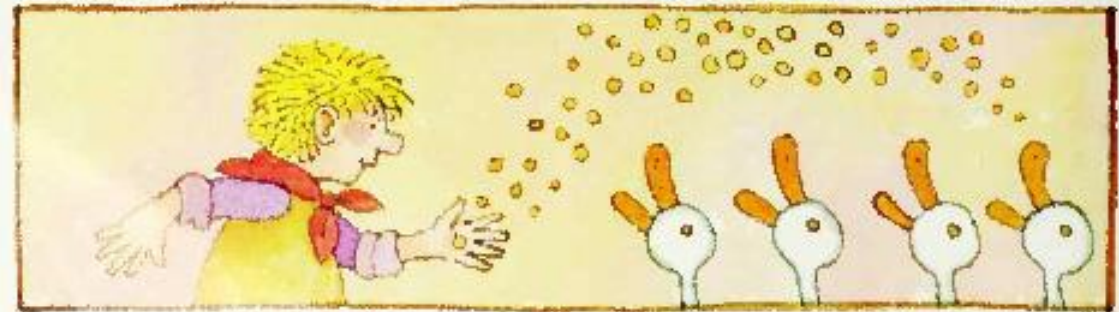
हर साल नन्हा एंथोनी और ऊंचा होता गया. जल्द ही वह फार्म पर मदद करने लायक बड़ा हो गया.

"देखो यह एक टोकरी है, एंथोनी. बगीचे में जाओ और पालक को वैसे ही तोड़ो जैसे मैंने तुम्हें दिखाया था. फिर उसे रसोई में मेरे पास लाओ," माँ ने उससे कहा. "ठीक है माँ," एंथनी ने कहा. और एंथनी ने वैसा ही किया.
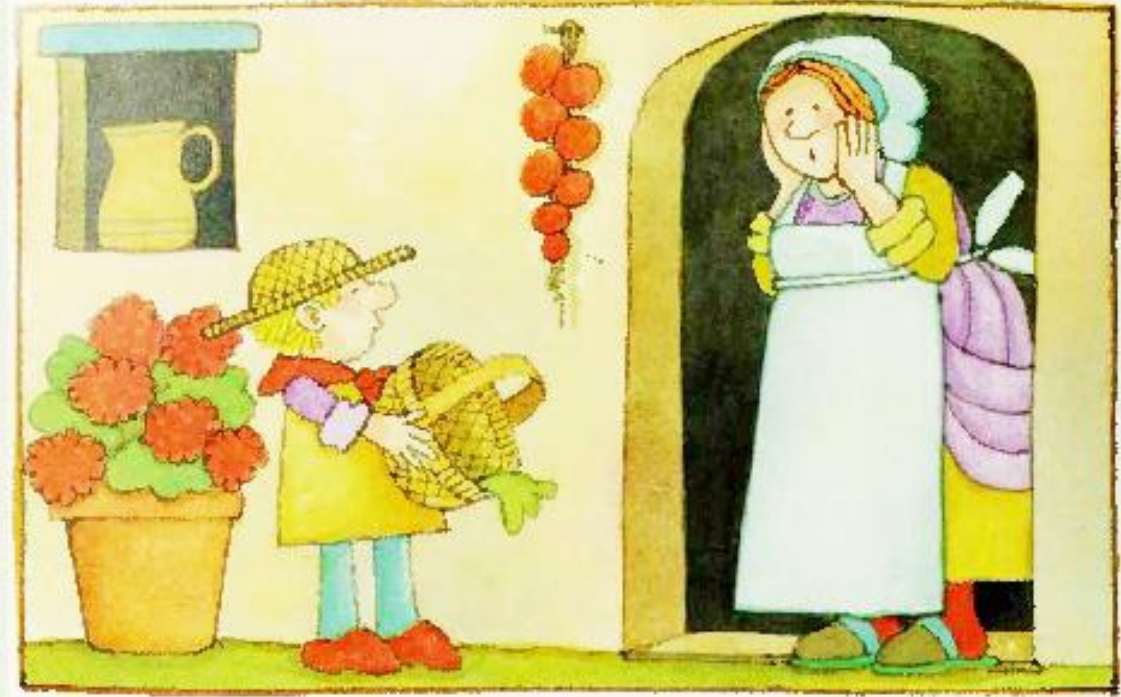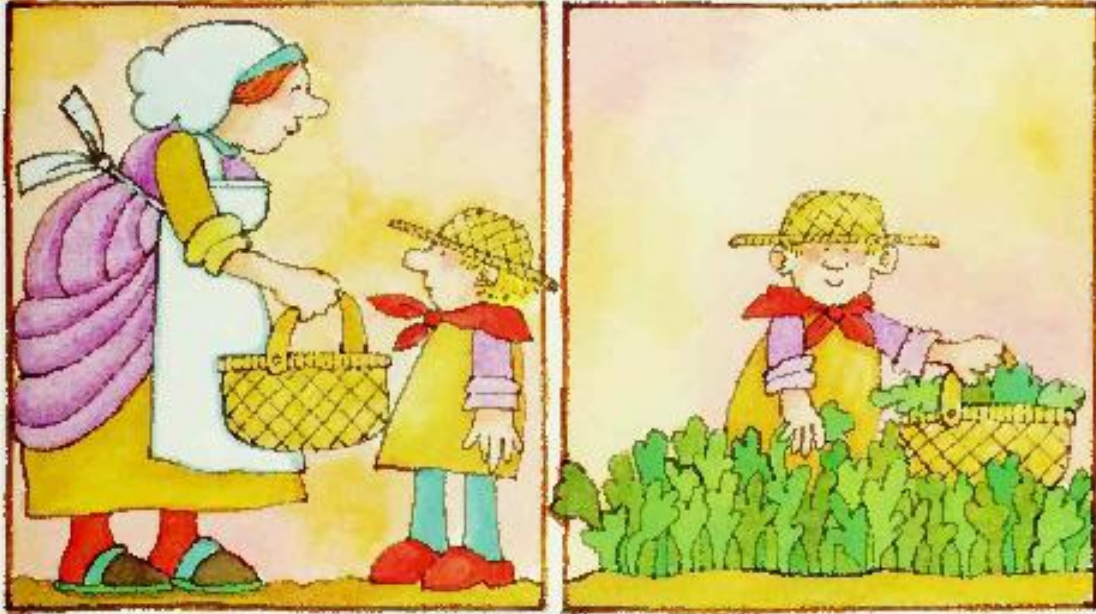
"अरे, एंथोनी!" माँ ने कहा.
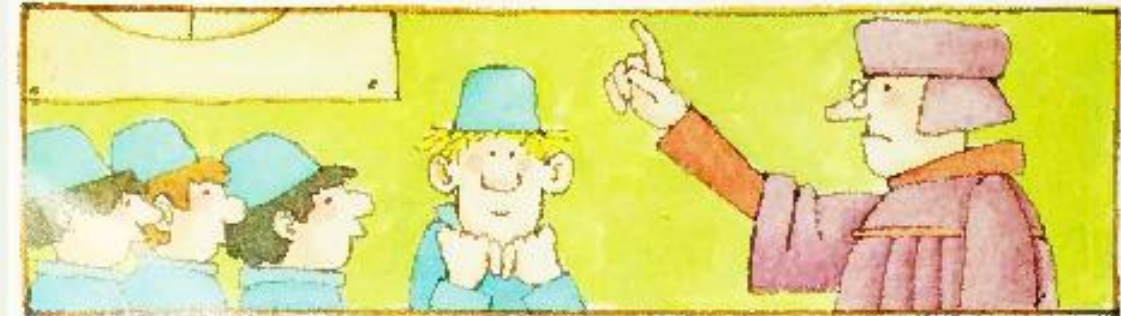
अब एंथोनी स्कूल जाने लायक हो गया था. एंथोनी को स्कूल से बहुत प्यार था. लेकिन शिक्षक उससे कहते थे, "एंथनी, कृपया ध्यान दो!"
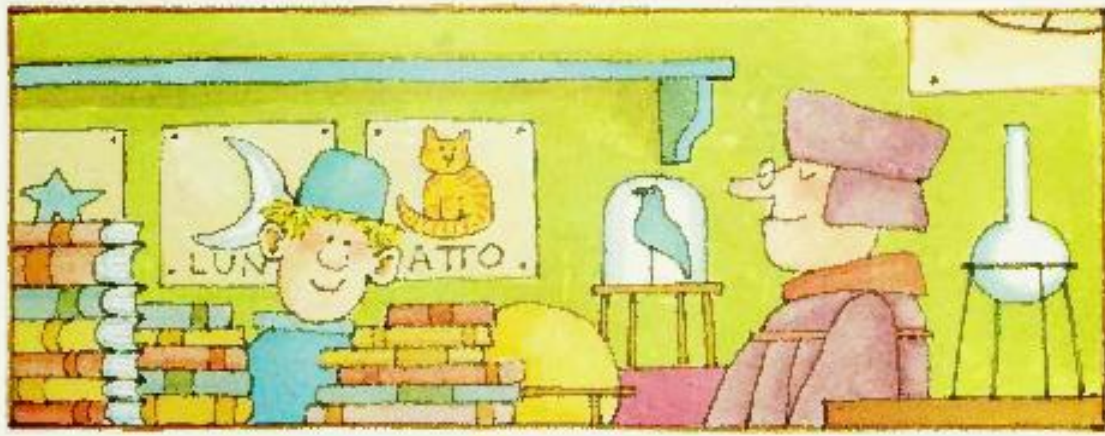
चूँकि एंथोनी कक्षा का सबसे ऊंचा लड़का था, इसलिए शिक्षक ने उसे एक दिन स्कूल के बाद रुकने और स्कूल की सफाई करने के लिए कहा.

"एंथनी, क्या तुम इन सभी पुस्तकों को उस शेल्फ पर रख दोगे? जब मैं वापस आऊंगा फिर हम बाकी चीजों को हटा देंगे. क्या तुम मेरी बात को ध्यान से सुन रहे हो, एंथनी?"

"शेल्फ पर रखने वाली बात." फिर एंथनी ने वैसा ही किया.
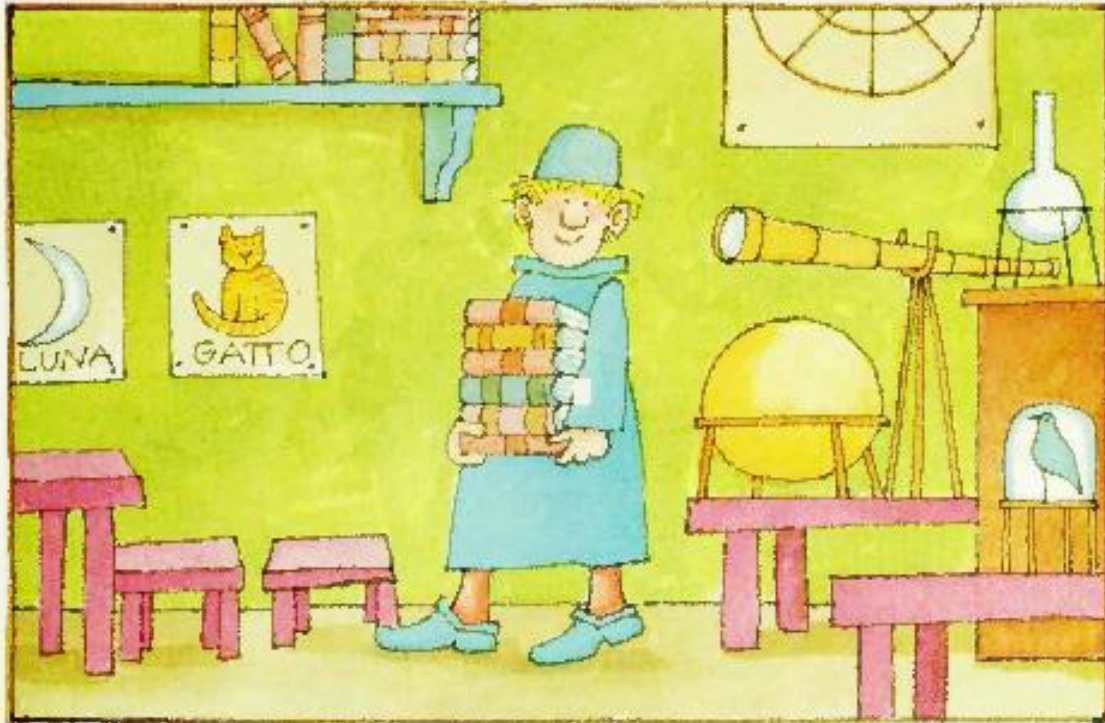
एंथोनी बड़ा हुआ, और ऊंचा भी. अब फार्म पर उसकी जरूरत थी.

"एंथनी," नोना ग्राज़ीला ने कहा. "दोपहर का खाना लेकर नीचे वाले उस खेत में जाओ जहां मज़दूर घास काट रहे हैं," नोना ग्राज़िएला ने कहा, "और ध्यान से खाने को एक छायादार जगह पर रखना ताकि वो धूप में गर्म न हो."

"ठीक है, नोना," एंथनी ने कहा.

एंथोनी ने चारों ओर देखा. खेत में कोई भी पेड़ नहीं था. उसने खुद से कहा. "मैं दोपहर के खाने को उस भूसे के ढेर के नीचे रख दूँगा. खाना वहाँ अच्छा और ठंडा रहेगा. फिर मैं एक झपकी लूँगा और तब तक खाने का समय हो जाएगा."

फिर एंथनी ने वही किया.

"एंथनी," नोना एमिलियो ज़ोर से चिल्लाए. "उठो, हमारा खाना कहा है? हम लोग बहुत भूखे हैं."

एंथोनी एक बड़ी मुस्कान के साथ मुस्कुराया. "मैंने वही किया जो नोना ग्राज़िएला ने कहा था. मैंने दोपहर का खाना वहाँ रखा जहाँ वो अच्छा और ठंडा रहे. मैंने उसे भूसे के ढेर के नीचे रखा है. मैं उसे अभी लेकर आता हूँ."

अब एंथोनी अपने पूरे परिवार में सबसे ऊंचा था. "उसकी लंबी ऊंचाई मेरे परिवार की तरफ से है," नोना एमिलियो ने कहा. फिर हर कोई उसे "बिग एंथोनी" कहने लगा.

"बिग एंथोनी," माँ ने एक दिन कहा, "जाओ, अपने पापा को ढूंढो क्योंकि उनका पास्ता तैयार है."

"ठीक है माँ," बिग एंथनी ने कहा, और बाहर निकल गया.

"एंथोनी किसी भी दरवाज़े को खुला मत छोड़ना. क्या तुमने मेरी बात सुनी?"

"हाँ, माँ," बिग एंथोनी चिल्लाया, "सभी दरवाज़े खुले छोड़ना!"

और बिग एंथोनी ने वही किया.

उसने हरेक गेट खुला छोड़ा.

"बस अब बहुत हो गया," पापा ने कहा. "समय आ गया है कि बिग एंथोनी अब बाहर की दुनिया में जाए और अपनी तकदीर को आज़माए."

"इससे पहले कि वो हमारी किस्मत को बर्बाद करे," नोना ग्राज़ीला ने कहा.
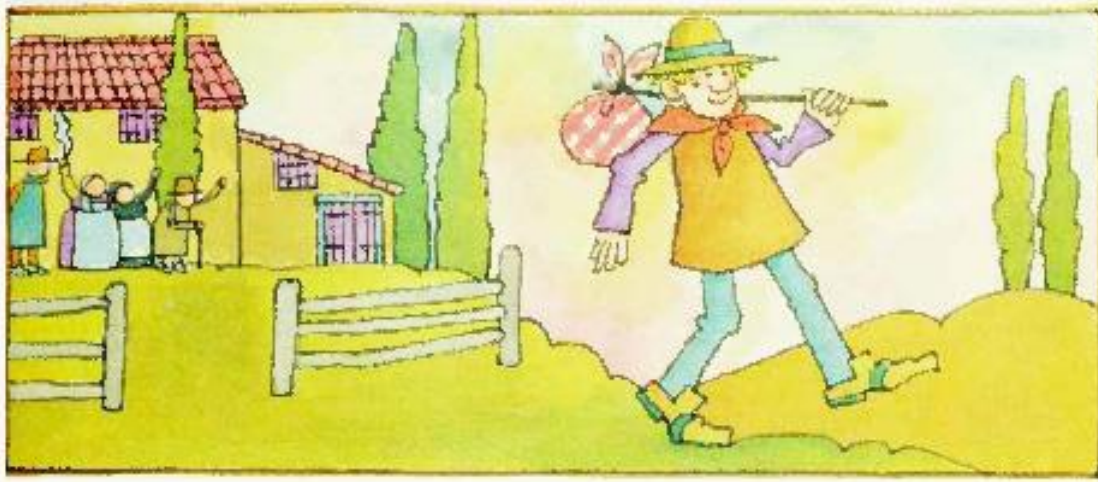
"बिग एंथोनी, गुड-लक," पूरे परिवार ने बिग एंथोनी की यात्रा शुरू होने पर कहा.

फिर हाईवे पर, बिग एंथोनी एक ख़ुशी की धुन पर सीटी बजाता हुआ दक्षिण की ओर बढ़ा. उसके सामने पूरी दुनिया पड़ी थी. वो बहुत उत्साहित था.

वो चलता रहा और चलता रहा. सूरज ढलने तक वो पीसा नाम के शहर में पहुँचा. अब अंधेरे के कारण आगे जाना संभव नहीं था, इसलिए बिग एंथोनी एक दीवार के सहारे बैठ गया. उसने अपना थैला खोला और खाना खाया. इससे पहले कि वो कुछ और सोच पाता, वो गहरी नींद में सो गया.
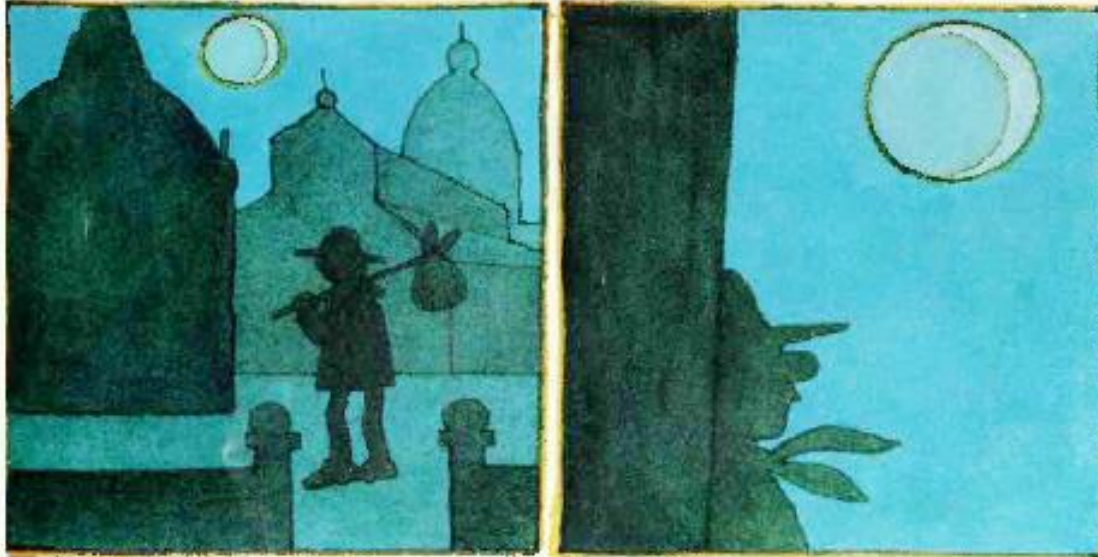
भोर में पक्षियों ने उसे जगाया. वो खड़ा हुआ और उसने अपनी आँखें खोलीं. उसने जो कुछ देखा वो देखकर वो चौंक गया.

"मैंने दीवार के खिलाफ बहुत ज़ोर का बल लगाया होगा शायद तभी वो झुक गई," उसने खुद से कहा. "लेकिन मैं उसे ठीक कर सकता हूं." फिर किसी के जागने से पहले ही वो वहां से भाग निकला.
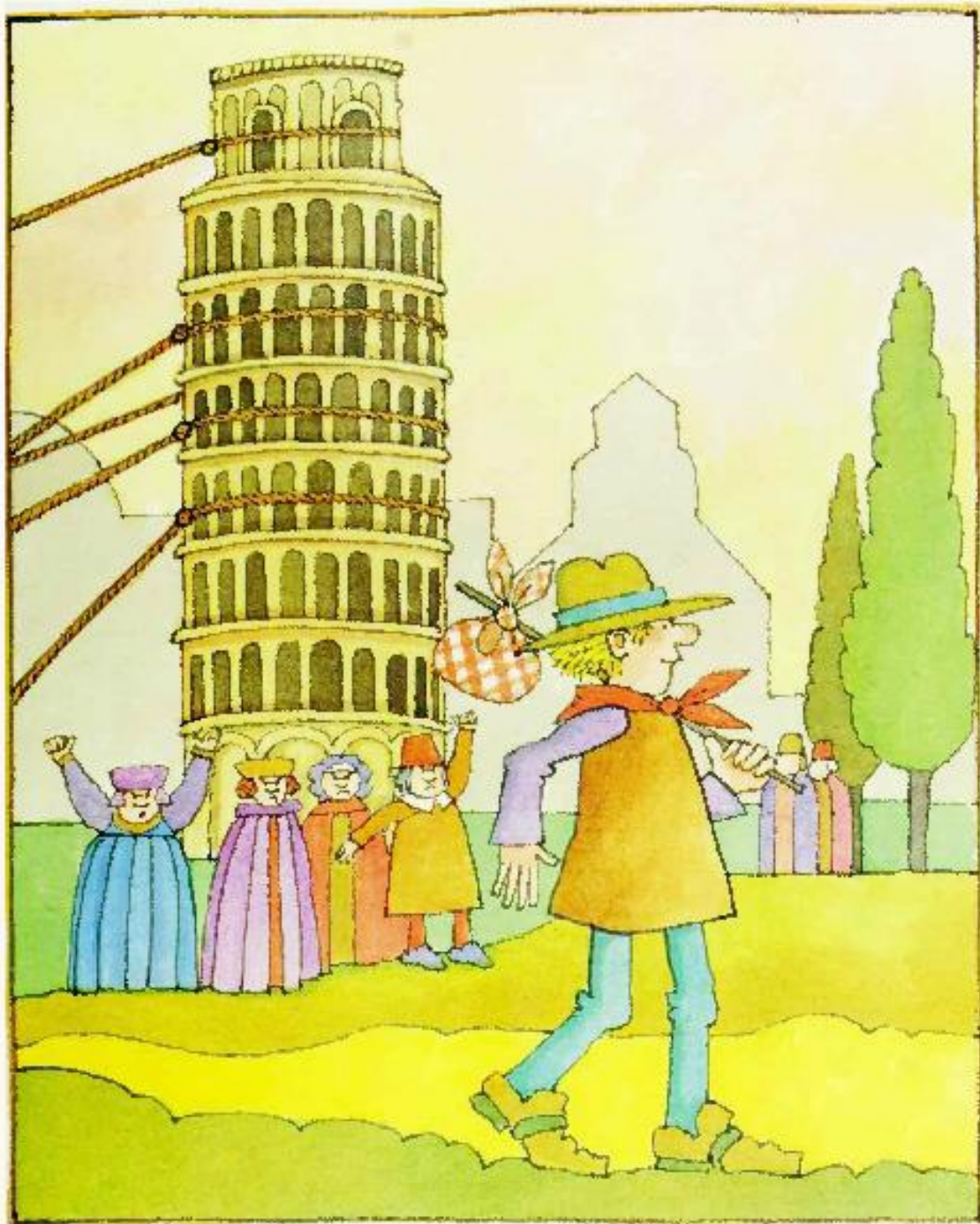
वो सड़क पर आगे बढ़ा. वो इस बात से प्रसन्न था कि उसने टेढ़ी मीनार को ठीक कर दिया था.

जल्द ही वो फिरेंज़े नामक स्थान पर पहुंचा. फिरेंज़े कलाकारों का शहर था.

वहां पर बिग एंथोनी को एक कलाकार के यहाँ नौकरी मिल गई.

"देखो एंथनी, मैं चाहता हूं कि तुम पहले पेंट बनाओ. इन रंगीन पाउडरों को देखो? हरेक को पानी में मिलाकर उन्हें अलग-अलग जार में भरो. क्या तुम मेरी बात समझे?"

"ठीक, उस्ताद," बिग एंथोनी ने कहा.
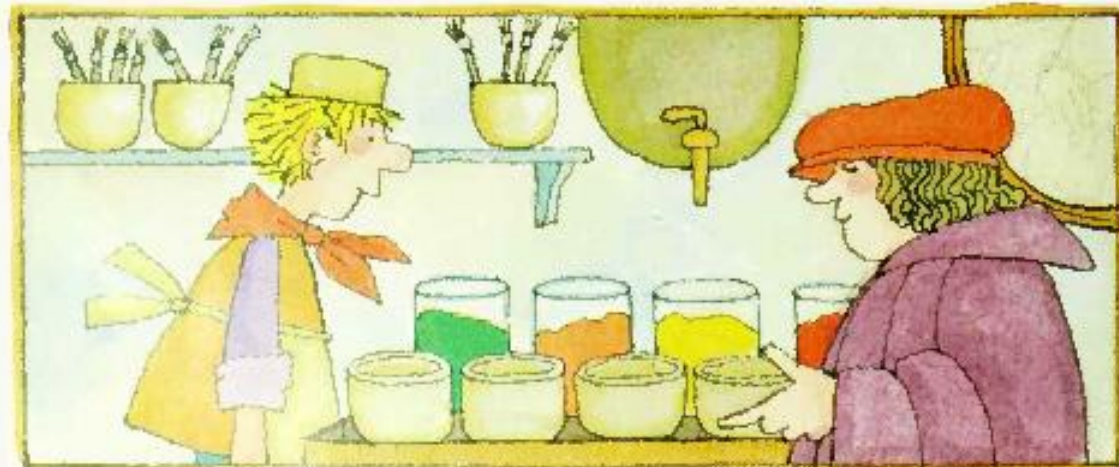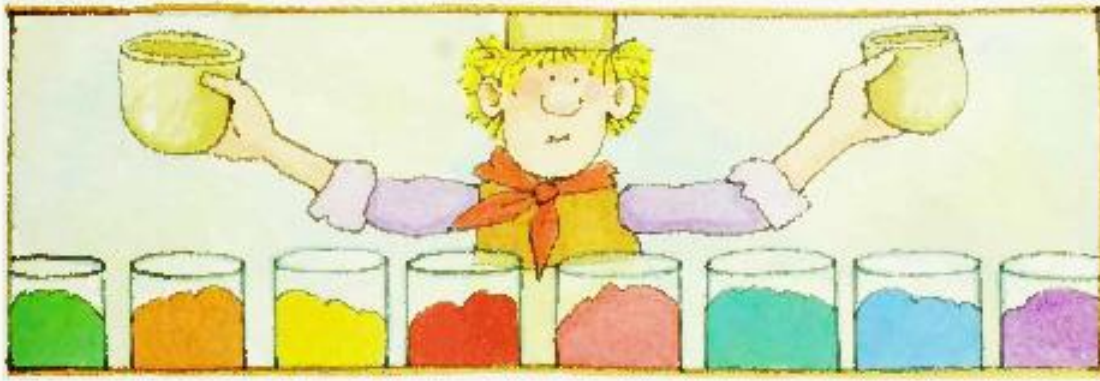
"चलो देखते हैं," कलाकार के कमरे से जाने के बाद बिग एंथनी ने खुद से कहा, "मुझे इन सभी रंगों को पानी में एक-साथ मिलाकर जार में डालना है."

फिर बिग एंथोनी ने वही किया.

"तुमने मेरा सारा पेंट बर्बाद कर डाला!" कलाकार गुस्से में चिल्लाया. "मैं तुम्हें तुरंत नौकरी से निकालता हूँ."

फिर बिग एंथोनी ने दुबारा अपनी यात्रा शुरू की और वो रोम पहुँचा. बिग एंथनी ने इतनी खूबसूरत इमारतें और इतने सारे चर्च पहले कभी नहीं देखे थे.
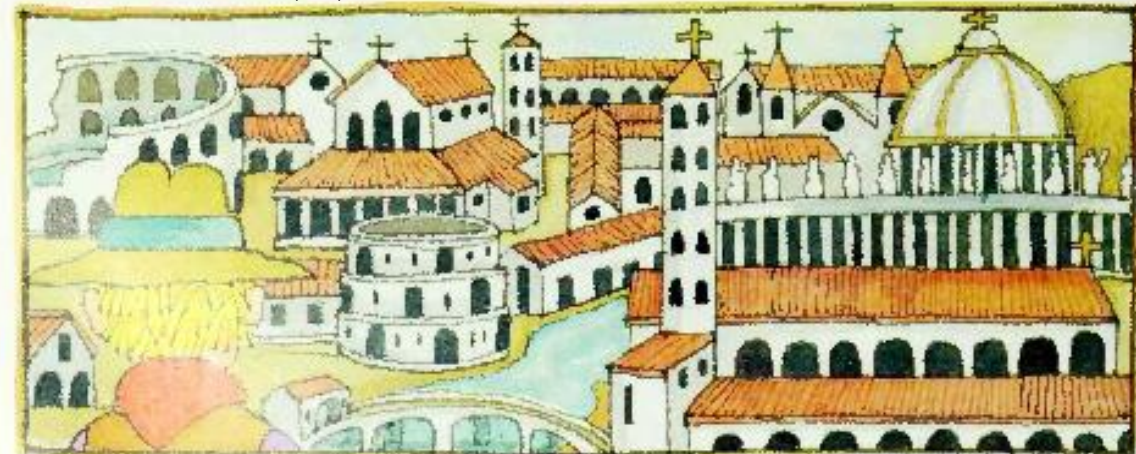
जल्द ही वो एक टोल-ब्रिज (पुल) के पास पहुंचा. उस पुल से शहर के बीचों-बीच बहने वाली नदी को पार किया जा सकता था.

"किराये के दो सिक्के," पुल पर मौजूद व्यक्ति ने बिग एंथोनी से कहा.
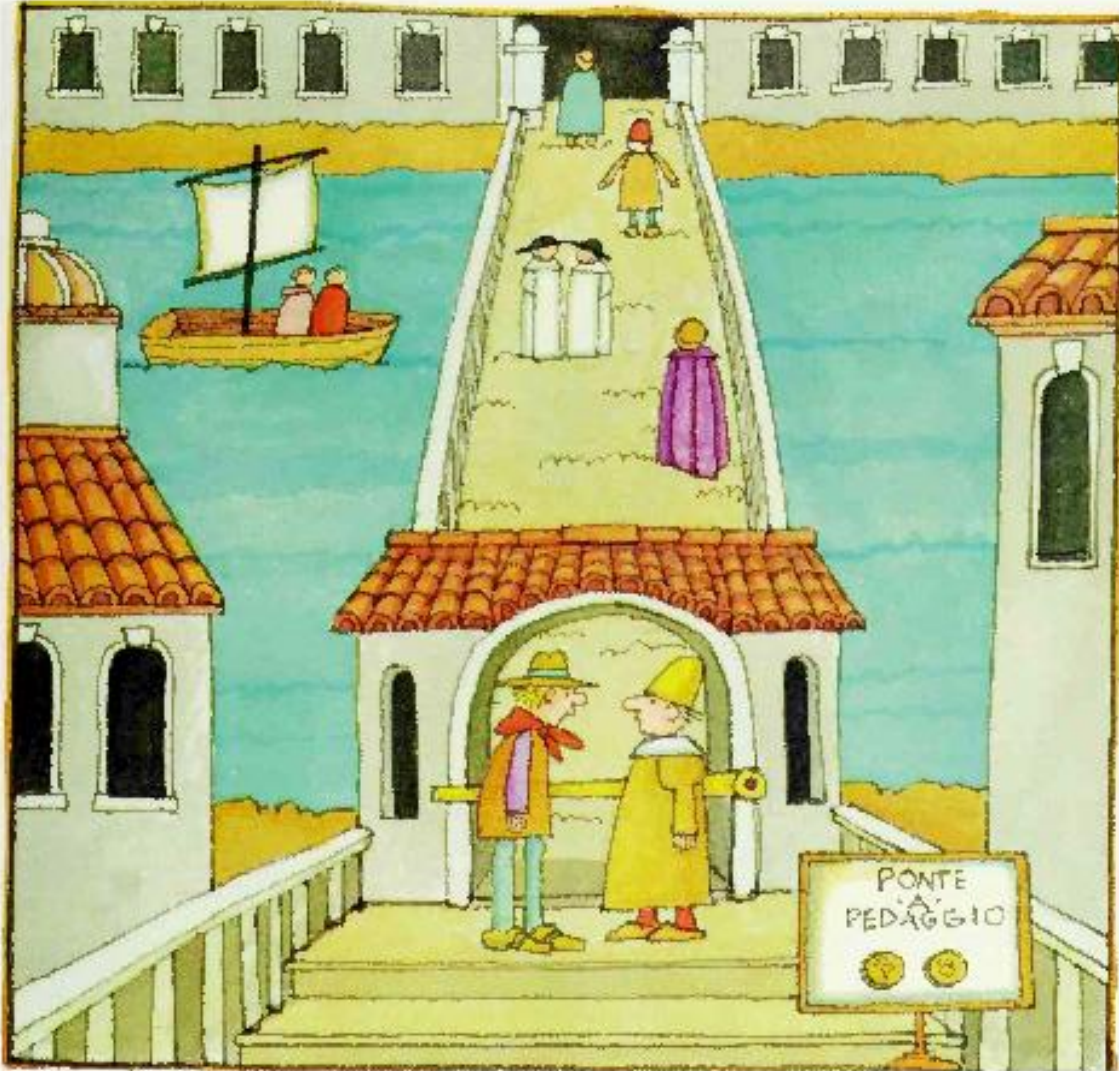
"मेरे पास अभी पैसे नहीं हैं," बिग एंथोनी ने कहा. "लेकिन मैं यहां पर नौकरी की तलाश में आया हूं. अगर आप मुझे पुल पार करने देंगे तो मैं वापस लौटने पर आपके किराये का भुगतान ज़रूर करूंगा."

"तुम्हारी तकदीर अच्छी है क्योंकि मुझे एक सहायक की ज़रुरत है. क्या तुम यहाँ नौकरी करोगे?" आदमी ने पूछा.

"ज़रूर," बिग एंथोनी ने चारों ओर देखते हुए कहा.

"तुम्हें यहाँ हर यात्री से दो सिक्कों का एक टोल जमा करना होगा," आदमी ने कहा. "लेकिन कार्डिनल से नहीं. मेरी बात ध्यान से सुनो?"

"ठीक है ज़नाब," बिग एंथोनी ने कहा. "कार्डिनल से."

पूरे दिन बिग एंथोनी ने सभी यात्रियों को पुल के पार मुफ्त में जाने दिया.
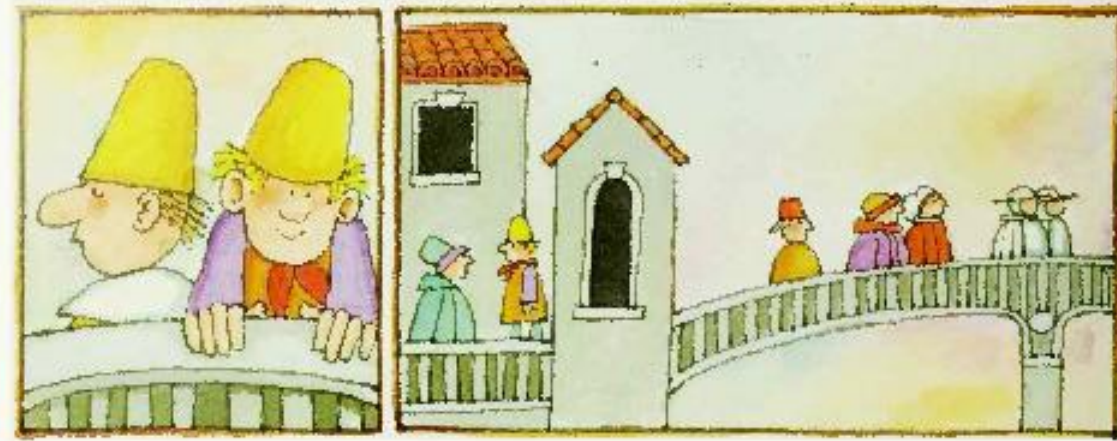
फिर पुल पर चर्च के सहायक लड़कों और पुजारियों की एक लंबी कतार आई, उसके बाद चर्च के प्रमुख कार्डिनल आए.

बिग एंथनी ने बिना भुगतान किए सभी को पुल पार करने दिया. लेकिन जब कार्डिनल आए तो बिग एंथोनी चिल्लाया, "रुकिए, पुल पार करने के लिए दो सिक्के!"

"लेकिन मैं कार्डिनल हूं."

"क्षमा करें, कार्डिनेल, लेकिन आपको किराए का भुगतान करना ही होगा! हर कोई मुफ्त में पार कर सकता है, लेकिन कार्डिनल को भुगतान करना होगा. मेरे मालिक का यही आदेश है."
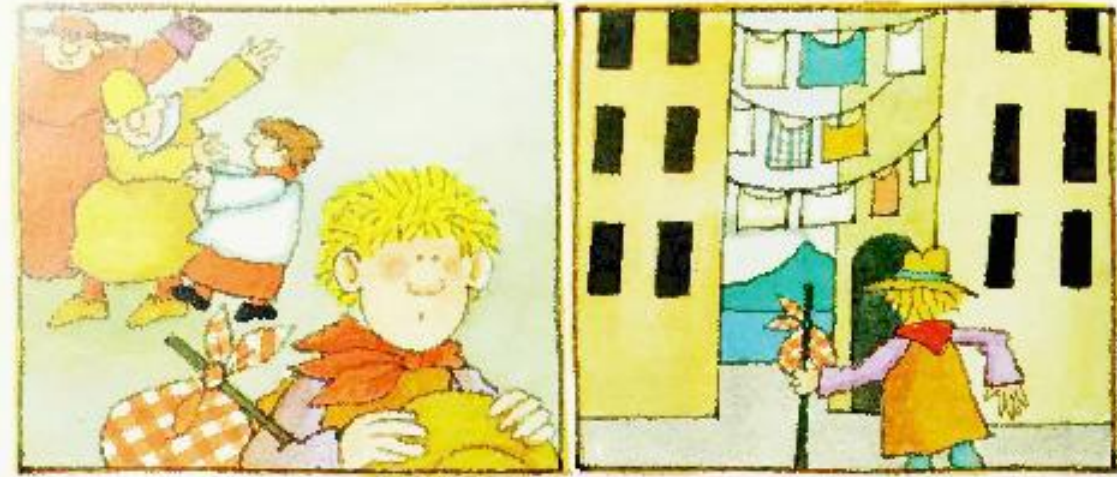
फिर बिग एंथोनी ने रोम छोड़ दिया और वो दक्षिण की ओर चला और अंत में नेपोली पहुंचा.

भाग्य उसका साथ दे रहा था. शहर में पहुँचते ही बिग एंथनी को एक वेटर की नौकरी मिल गई.
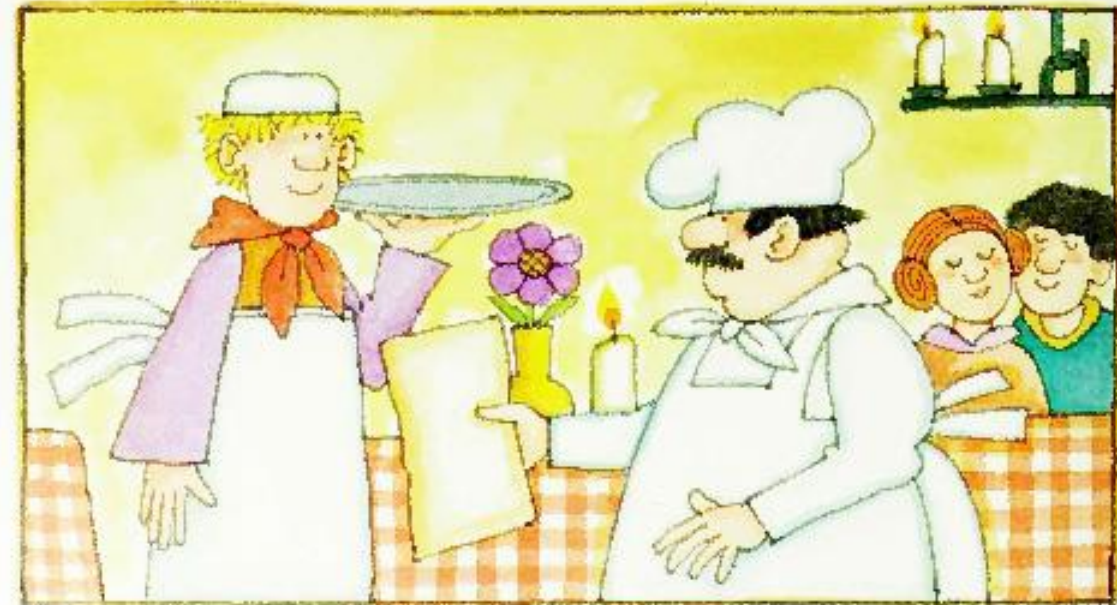
रेस्तरां के मालिक ने उससे कहा, "देखो, ग्राहकों के आर्डर को ध्यान से सुनना और ग्राहक जो मांगे उन्हें सही खाना देना."

लेकिन बिग एंथनी ने ध्यान नहीं दिया.

"मैंने ईल मछली का आर्डर ही नहीं दिया था. मुझे ईल मछली से नफरत है."
"मेरा पिज्जा कहाँ है?"
"वेटर, वेटर, तुमने मुझे सूप क्यों दिया, मैंने तो पास्ता ऑर्डर किया था!"
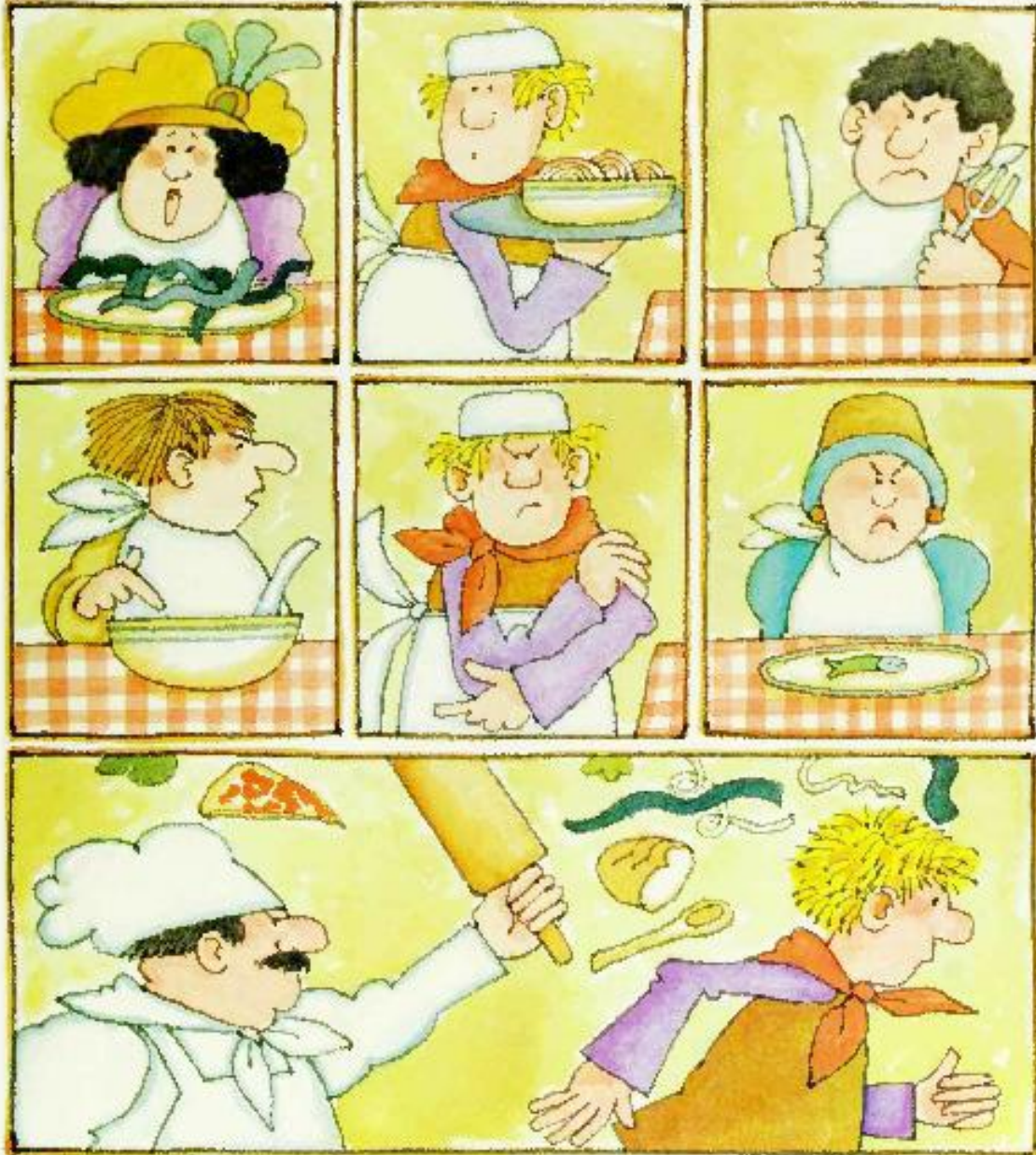
"नौकरी से बाहर!" मालिक चिल्लाया.

जैसे ही बिग एंथनी ने रेस्तरां छोड़ा, माउंट वेसुवियस ज्वालामुखी फट गया.
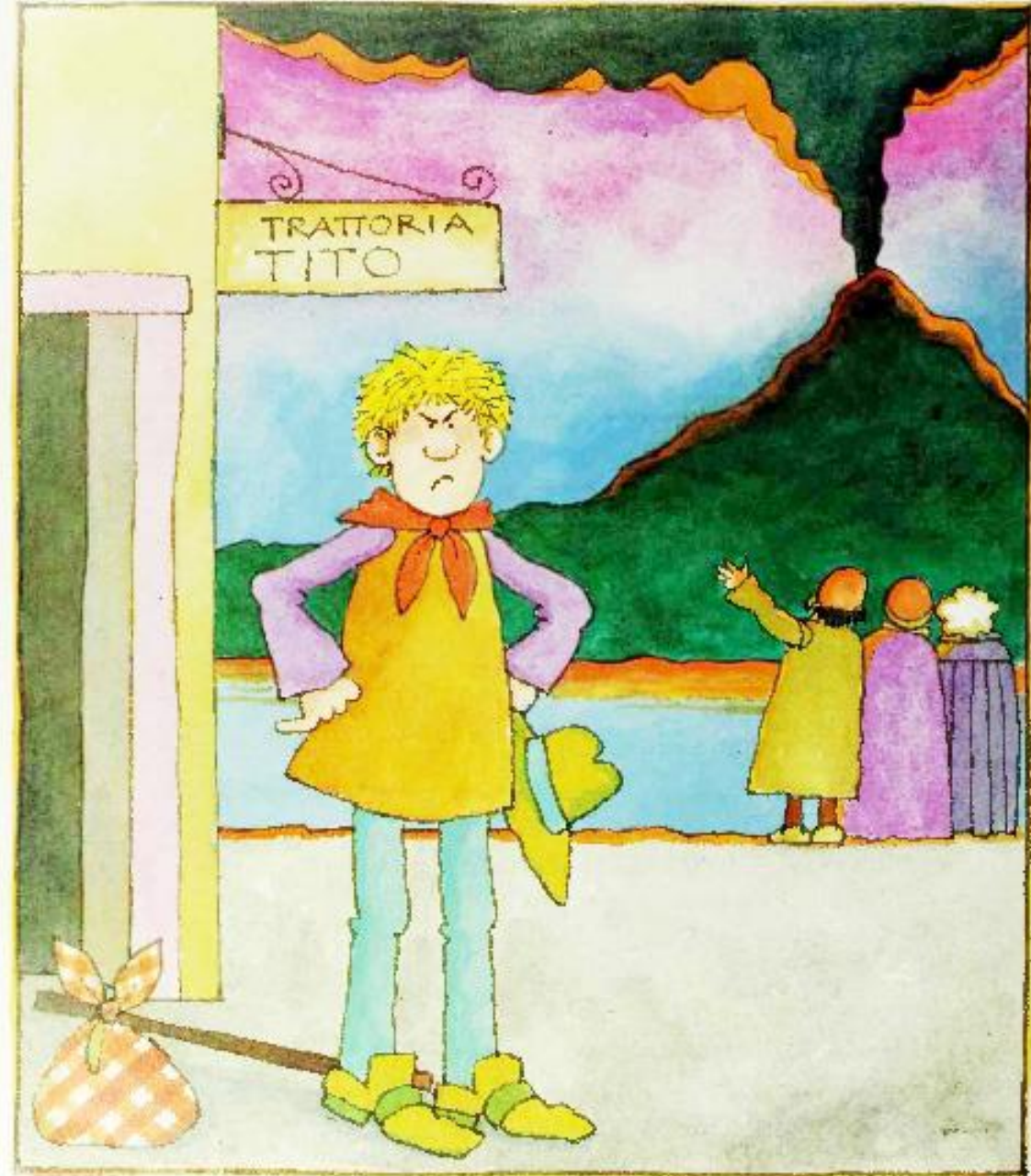
"ठीक है," बिग एंथनी ने कहा, "कम-से-कम वो तो मेरी गलती से नहीं फटा."